



यौन संचारित संक्रमण

(एस.टी.आई.)

मार्गदर्शन फ़िल्लपबुक।

खुद का और अपने साथी का करो बचाव
एस.टी.आई संक्रमण छुपाओ नहीं,
करवाओ इसका इलाज।



फ़िलपबुक इस्तेमाल करने के सामान्य निर्देश ।

सही जानकारी के अभाव में असुरक्षित यौन सम्बन्ध बन जाने के कारण बहुत से लोग एस.टी.आई. संक्रमण की चपेट में आ जाते हैं। इस फ़िलपबुक में दी गयी कहानी और जानकारियों के माध्यम से आप सभी कार्यकर्ता और परामर्शदाता, लोगों को एस.टी.आई. संक्रमण से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें साझा कर सकते हैं एवं उनको संक्रमण से बचा सकते हैं।

इसमें दी गयी कहानी के बीच में कुछ सवाल दिए गए हैं, आप पाठकों से उन सवालों को पूछ कर यह पता करने की कोशिश जरूर करें कि उनको बताई गई बातें उन्हें याद हैं या नहीं?, और साथ ही फिर से महत्वपूर्ण बातों को दोहराएँ।

आपके सहयोग से हम बहुत से लोगों को एस.टी.आई. और एच.आई.वी. संक्रमण से बचा सकते हैं।



यह है रिया, आज रिया ने अपनी खास दोस्त ख़ुशी को घर बुलाया है! रिया थोड़ी परेशान दिख रही है। ख़ुशी ने जब कारण पूछा तो रिया बताती है कि कई दिनों से उसे गुप्तांगों में संक्रमण हो रहा है जिससे वो काफी परेशान है। उसे छोटे-छोटे दाने हो रहे हैं जिससे उसको खुजली महसूस होती है और रिसाव भी हो रहा है।



पूछे जाने वाले सवाल

1. रिया ने अपनी किस दोस्त को घर बुलाया है ?
2. रिया ख़ुशी को किस परेशानी के बारे में बताती है ?



ख़ुशी के कारण पूछने पर रिया बताती है कि उसने किसी ऑनलाइन मिले हुए दोस्त के साथ असुरक्षित यौन संबंध बना लिया था, बस तब से उसे यह इन्फेक्शन हो रहा है जो दिन पर दिन बढ़ता ही चला जा रहा है।



पूछे जाने वाले सवाल

1. ख़ुशी के कारण पूछने पर रिया उसे क्या बताती है ?
2. रिया का इन्फेक्शन कब से बढ़ता जा रहा था ?



ख़ुशी रिया से कहती है - पागल यह एक यौन संचारित संक्रमण है, जो तुझे बिना कंडोम यौन सम्बन्ध बनाने से हुआ है। जरूर तेरे दोस्त को भी यह संक्रमण होगा जिससे तुझे ये हुआ है। तू इससे आसानी से बच सकती थी बस एक कंडोम का ही तो इस्तेमाल करना था, और इसे इतने दिन तक छुपा कर रखना बहुत ही बड़ी बेफ़कूफी है। यह खतरनाक भी हो सकता है। कल मेरे साथ संपूर्ण सुरक्षा केंद्र चलना, वहाँ परामर्श के साथ चिकित्सीय उपचार मुफ्त मिल जायेगा और तेरी जानकारी भी गुप्त रहेगी।



पूछे जाने वाले सवाल

1. रिया संक्रमण से कैसे बच सकती थी ?
2. क्या रिया ने संक्रमण को छुपा कर रख कर कोई गलती की ?
3. ख़ुशी रिया से कहाँ चलने के लिए कहती है ?

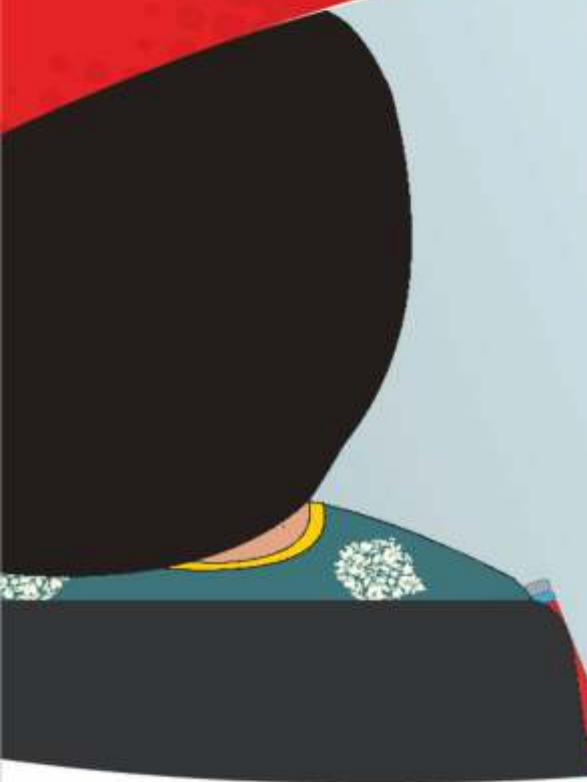
एच.आई.वी.,
एस.टी.आई. और
अनचाहे गर्भ होने का
जोखिम बढ़ाता है

यौन संबंधी विषयों
पर अपने
साथी से चर्चा करें

हर बार सही तरीके से कंडोम का इस्तेमाल करें
इमैशा सुरक्षित रहें



एच.आई.वी. के लिए प्रोटेक्शन के लिए कंडोम का उपयोग करें।
अनचाहे गर्भ होने के लिए कंडोम का उपयोग करें।



रिया संपूर्ण सुरक्षा केंद्र काउंसलर को अपनी सारी आपबीती बताती है, और फिर काउंसलर उसकी जाँच करती हैं, साथ ही साथ काउंसलर रिया की एच.आई.वी., हेपेटाइटिस एवं सिफिलिस की जाँच भी करवाती हैं।

रिया को इस बात की तसल्ली थी कि उसकी जाँच में एच.आई.वी. व हेपेटाइटिस नहीं निकला, काउंसलर ने उसकी यौन संचारित संक्रमण (एस.टी.आई.) की दवा का कोर्स चालु करवाया और सुरक्षित यौन व्यवहार के बारे में परामर्श भी दिया।



पूछे जाने वाले सवाल

1. एच.आई.वी. व हेपेटाइटिस की जाँच क्यों जरूरी थी ?
2. रिया को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?



काउंसलर ने रिया को बताया कि एस.टी.आई. के सही एवं पूर्ण उपचार के लिए यौन साथी का भी परामर्श, जाँच व उपचार भी महत्वपूर्ण होता है



**पूछे जाने
वाले सवाल**

एस.टी.आई. के सही एवं पूर्ण उपचार के लिए यौन साथी की जाँच व उपचार क्यों जरूरी है ?



रिया ने संपूर्ण सुरक्षा केंद्र से मिली दवा का कोर्स समय से लिया, और अब उसका संक्रमण पूरी तरह से ठीक हो चुका है।

रिया काउंसलर द्वारा बताई गयी बातों का ध्यान रखती है, बिना कंडोम कभी यौन सम्बन्ध के बारे में नहीं सोचती है और अपनी नियमित जाँच भी करवाती है।



पूछे जाने वाले सवाल

1. आपने इस कहानी से क्या सीखा ?
2. डॉक्टर से परामर्श लेने के बाद रिया ने अपनी ज़िन्दगी में क्या बदलाव किया ?





SAMPORNA SURAKSHA

SURAKSHA SE SAMPOORNA SURAKSHA TAK

एच.आई.वी. और एस.टी.आई. से जुड़ी निःशुल्क परामर्श और सेवाओं के लिए
संपूर्ण सुरक्षा केंद्र कोरोनाशन जिला चिकित्सालय, देहरादून पर आएं या अधिक जानकारी के लिए नेशनल टोल फ्री एड्स हेल्पलाइन 1097 पर संपर्क करें।

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड

दूरभाष: 0135-2608885, ई-मेल: uksacs1@gmail.com, वैबसाइट: www.usacs.org.in

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून द्वारा जनहित में जारी।